Current Affairs search results for tag: science-and-technology

1. [illegible] 2900 [illegible] (Oct. 15, 2022)

[illegible] ([illegible]) [illegible] , [illegible]

[illegible] / [illegible] 2,856 [illegible] 540 [illegible]

[illegible] 500 [illegible] , [illegible], [illegible] 2900 [illegible]

[illegible], [illegible]

[illegible], [illegible], [illegible]

[illegible], 2016 [illegible]

[illegible] **[illegible] 2010** [illegible] 2010 [illegible]

[illegible], **[illegible]** [illegible]

[illegible]: **[illegible]**

2. [illegible] 36 [illegible] (Oct. 15, 2022)

[illegible] (**[illegible]**) 23 [illegible], 2022 [illegible] **36 [illegible]** [illegible]

[illegible]

- [illegible] **LVM3** [illegible], [illegible] **GSLV Mk III** [illegible]
- [illegible] (**[illegible]**) [illegible]

- NSIL [illegible] GSLV-Mk3 [illegible] **LEO ([illegible])** [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible] **-** [illegible] **(PSLV)** [illegible]

[illegible]**?**

- [illegible] LEO [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

3. [illegible] **(Oct. 14, 2022)**

[illegible] **(NAL)** [illegible] 14 [illegible] 2022 [illegible]

[illegible]

- [illegible]

- [illegible] **20** [illegible]

- [illegible] **3600** [illegible]

- [illegible]

[illegible] **(**[illegible]**)**

- [illegible] **1959** [illegible] **(**[illegible]**)** [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

4. [illegible] (Oct. 14, 2022)

[illegible] 15 [illegible] 2022 [illegible] **(CSIR)** [illegible]

[illegible]

- [illegible] **25** [illegible]
- [illegible] **13** [illegible]
- [illegible] **12** [illegible]
- [illegible]

[illegible] **(**[illegible]**)**

- [illegible] **37** [illegible] **, 39** [illegible] **, 3** [illegible] **5** [illegible]
- [illegible] 1587 [illegible] **37** [illegible]
- [illegible] **(**[illegible]**)** [illegible]

- [illegible]
- [illegible] – [illegible] **1942**
- [illegible] – [illegible]
- [illegible] – [illegible]

[illegible] – [illegible]

5. [illegible] (Oct. 14, 2022)

[illegible] 14 [illegible], 2022 [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible] **1990** [illegible] **1998** [illegible]
- [illegible] **-1** [illegible]
- [illegible] **26** [illegible] **2009** [illegible]
- [illegible] **6,000** [illegible] **110** [illegible] **11** [illegible]
- [illegible] **83** [illegible]

यह विशाखापत्तनम के बंदरगाह शहर में जहाज निर्माण केंद्र में

- **उन्नत प्रौद्योगिकी पोत (एटीवी) परियोजना** के तहत बनाया गया था।

6. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आईआईटी गुवाहाटी में 'परम कामरूप' सुपरकंप्यूटर सुविधा का उद्घाटन किया (Oct. 14, 2022)

भारत के राष्ट्रपति, **द्रौपदी मुर्मू** ने 13 अक्टूबर, 2022 को **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी** में **'परम कामरूप' सुपरकंप्यूटर** सुविधा और एक उच्च-शक्ति सक्रिय और निष्क्रिय घटक **प्रयोगशाला** का उद्घाटन किया।

महत्वपूर्ण तथ्य

- राष्ट्रपति ने **धुबरी मेडिकल कॉलेज** और अस्पताल का उद्घाटन किया, और असम के डिब्रूगढ़ और मध्य प्रदेश के जबलपुर में **राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान** के क्षेत्रीय संस्थानों की आधारशिला रखी।

- उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों से अनुसंधान और प्रौद्योगिकी पर जोर देने का आग्रह किया।

- कार्यक्रम को असम के राज्यपाल **प्रोफेसर जगदीश मुखी**, असम के मुख्यमंत्री **हिमंत बिस्वा सरमा** और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारती **प्रवीण पवार** ने भी संबोधित किया।

'परम कामरूप' सुपरकंप्यूटर के बारे में

- परम कामरूप, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी तरह का एक सुपर कंप्यूटर है, जिसे **राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन** के तहत स्थापित किया गया है।

- राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (NSM) इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) की एक संयुक्त पहल है।

- यह इस क्षेत्र के कई मुद्दों के समाधान के साथ-साथ अग्रिम कंप्यूटिंग, स्वास्थ्य देखभाल तकनीक प्रदान करेगा।

- इस सुपर कंप्यूटर के कई घटक स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं।

- इस प्रकार का तकनीकी विकास भारत को सुपर कंप्यूटिंग में विश्व में अग्रणी बनाएगा और देश के साथ-साथ दुनिया की चुनौतियों को हल करने में भारत की क्षमता को बढ़ाएगा।

- राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) ने मार्च 2022 में आईआईटी रुड़की में **सुपरकंप्यूटर परम गंगा** को तैनात किया है।

सुपर कंप्यूटर क्या होते हैं?

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible] **2015** [illegible]
- [illegible]
- [illegible] **(** [illegible] **)** [illegible] **(** [illegible] **)** [illegible]
- [illegible] **(** [illegible] **)** [illegible] **(** [illegible] **)** [illegible]
- [illegible] **8000**
- [illegible] – [illegible] **8000**
- [illegible] – [illegible], IIT (BHU) [illegible]
- [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] [illegible]
- [illegible] **500** [illegible] **63** [illegible]

7. [illegible] **1190** [illegible] **(Oct. 13, 2022)**

[illegible] **(** [illegible] **)** [illegible] 1,190 [illegible]

संयंत्र स्थापित करने के लिए राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरयूवीएनएल) के साथ 13 अक्टूबर 2022 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह सौर ऊर्जा संयंत्र , **पुगल, बीकानेर** में आरवीयूएनएल द्वारा विकसित किए जा रहे 2,000 मेगावाट के सौर पार्क में स्थापित किया जाएगा।

आरवीएनयूएल के सीएमडी आर के शर्मा और कोल इंडिया लिमिटेड के तकनीकी निदेशक वी रेड्डी ने जयपुर में केंद्रीय कोयला मंत्री **प्रल्हाद जोशी** और राजस्थान के मुख्यमंत्री **अशोक गहलोत** की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

हाल ही में ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी [अमेज़न] ने राजस्थान में अपना पहला सोलर प्लांट लगाने की घोषणा की है।

राजस्थान सौर ऊर्जा के लिए एक आकर्षक गंतव्य

थार मरुस्थल वाला राजस्थान, मरुस्थल की भीषण गर्मी का उपयोग करके सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा, देश के बाकी हिस्सों की तुलना में, राज्य कम आबादी वाला है। कम आबादी वाले क्षेत्रों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्वच्छ ऊर्जा को अलग-अलग समुदायों तक पहुंचने में सक्षम बनाता है जिनके पास बिजली तक पहुंच नहीं है।

राजस्थान में राज्य के **जोधपुर जिले** के **भादला** में 2,245 मेगावाट की क्षमता वाला दुनिया का सबसे बड़ा सौर संयंत्र है।

इस साल मार्च में राज्य सरकार ने राज्य के जैसलमेर और बीकानेर जिलों में 1800 मेगावाट के दो नए सोलर पार्क विकसित करने की घोषणा की थी.

जैसलमेर में 800 मेगावाट की परियोजना के लिए आरएनवीयूएल विकासशील एजेंसी थी, जबकि बीकानेर में 1,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना को पहले चरण में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा विकसित किया जाएगा।

निजी सोलर प्रोजेक्ट डेवलपर **रेज एक्सपर्ट्स** ने भी इस साल मई में घोषणा की थी कि वे राजस्थान में 3000 मेगावाट की क्षमता के साथ दुनिया का **सबसे बड़ा सोलर पार्क विकसित** करेगा । यह परियोजना बीकानेर में स्थापित की जाएगी।

8. पतला लोरिस के लिए पहला अभयारण्य तमिलनाडु में स्थापित किया जाएगा (Oct. 12, 2022)

लुप्तप्राय होती प्रजाति **‘पतला लोरिस’**(Slender Loris) के लिए भारत का पहला अभयारण्य ,12 अक्टूबर 2022 को तमिलनाडु सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया । यह अभयारण्यराज्य के करूर और डिंडीगुल जिलों में लगभग 11,806 हेक्टेयर भूमि में फैला होगा ।

पतला लोरिस

पतला लोरिस छोटे निशाचर स्तनधारी होते हैं जो अपना अधिकांश जीवन पेड़ों पर बिताते हैं। ये बंदरों की तरह दिखते हैं और लगभग 25 सेमी लंबे होते हैं और इनकी लंबी, पतली भुजाएँ होती हैं। इनका वजन लगभग 275 ग्राम होता है।वे मुख्य रूप से भारत और श्रीलंका में पाए जाते हैं।

कीड़ों के अलावा वे पत्ते, फूल, स्लग और कभी-कभी पक्षियों के अंडे खाने के लिए भी जाने जाते हैं। प्रजाति कृषि फसलों में कीटों के जैविक

शिकारी के रूप में कार्य करती है जिसे किसान लाभान्वित होते हैं । प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUNC) ने निशाचर स्तनपायी एक लुप्तप्राय प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया है ।

पतला लोरिस के लिए अभयारण्य

तमिलनाडु के करूर और डिंडीगुल जिलों में कुल 11,806 हेक्टेयर वन क्षेत्रों को स्लेंडर लोरिस के लिए महत्वपूर्ण आवास के रूप में पहचाना गया है। कदवुर पतला लोरिस अभयारण्य डिंडीगुल जिले में वेदसंदूर, डिंडीगुल पूर्व और नाथम तालुक और तमिलनाडु के करूर जिले में कदवुर तालुक को कवर करेगा।

9. **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में विफलता के लिए एनजीटी ने दिल्ली सरकार पर 900 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया (Oct. 12, 2022)**

[राष्ट्रीय हरित अधिकरण]() (एनजीटी) ने 12 अक्टूबर 2022 को पारित एक आदेश में दिल्ली सरकार को ठोस नगरपालिका कचरे के अनुचित प्रबंधन के लिए पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में 900 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है।"एनजीटी ने अपने आदेश में कहा कि "नागरिकों को शासन के कमी के कारण आपातकालीन स्थिति का सामना नहीं करना पड़ सकता है।

न्यायमूर्ति आदर्श गोयल की अध्यक्षता वालीएनजीटी पीठ ने दिल्ली के तीन लैंडफिल स्थलों- गाजीपुर, भलस्वा और ओखला में ठोस कचरे से निपटने के लिए उपचारात्मक कदम नहीं उठाने के लिए दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

बेंच ने कहा ,इन तीन लैंडफिल स्थलों के कारण भूजल प्रदूषण के साथ-साथ मीथेन और अन्य हानिकारक गैसों का लगातार उत्सर्जन हो रहा है , जो दिल्ली के लोगों और पर्यावरण के लिए सीधा खतरा है।

बेंच ने दिल्ली सरकार को जुर्माने की राशि एक अलग खाते में जमा करने का निर्देश दिया, जिसका उपयोग दिल्ली के मुख्य सचिव द्वारा कचरे के उपचार और अन्य उपायों द्वारा पर्यावरण की बहाली के लिए किया जाएगा।

एनजीटी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा नगर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 और अन्य पर्यावरणीय मुद्दों के अनुपालन की निगरानी कर रहा है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल/राष्ट्रीय हरित अधिकरण

- यह पर्यावरण संरक्षण और वन के संरक्षण से संबंधित मामलों का निपटारा करता है ।
- इसे राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत 2010 में स्थापित किया गया था।
- **यह अधिकरण 1908 के नागरिक कार्यविधि के द्वारा दिए गए कार्यविधि से प्रतिबद्ध नहीं है लेकिन प्रकृतिक न्याय सिद्धांतों से निर्देशित होगा।**
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण का मुख्यालय : **नई दिल्ली**
- भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई में इसके बेंच हैं ।
- अध्यक्ष: न्यायमूर्ति **आदर्श कुमार गोयल**

10. [illegible] 2025 [illegible] (Oct. 12, 2022)

2030 [illegible] 100% [illegible], [illegible] **2025** [illegible], [illegible] 2030 [illegible] 46,000 [illegible] 2023 [illegible] **20%,** 2024 [illegible] **60%** [illegible] 2025 [illegible] **100%** [illegible]